

सीखना (Learning)

①

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से सीखना एक मानसिक प्रक्रिया है। इस मानसिक प्रक्रिया की अभिव्यक्ति व्यवहार के सहारे होती है। हम कोई बात सीखते हैं तो इसके साथ हमारे व्यवहार में एक तरह का परिवर्तन (Change) भी होता है। लेकिन मात्र व्यवहार में परिमार्जन या परिवर्तन को सीखना नहीं कहा जा सकता है। व्यवहार में परिवर्तन थकावट या अन्य किसी दूसरे कारण से भी होता है। कुछ मनोवैज्ञानिकों के अनुसार "सीखने में व्यवहार में जो परिवर्तन होता है, वह अनुभव या अभ्यास पर आधारित होता है और उससे समायोजन में सहायता मिलती है।"

Learning is a change in behaviour as a result of experience with a view to adjustment.

Thorndike & King के अनुसार - सीखना अनुभव के परिणामस्वरूप जीव के व्यवहार में कुछ परिमार्जन (Modification) है जो कम से कम कुछ समय के लिये भी जीव द्वारा धारण किया जाता है।

Learning is some modification in the behaviour of the organism as a result of experience (~~due~~ due to some sort of training) which is retained for at least a certain period of time.

McGeech के अनुसार :- सीखना, जैसे कि हम इसे मापते हैं, अभ्यास के फलस्वरूप उत्पन्न व्यवहार में अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन है। अधिकतम: यह परिवर्तन एक निश्चित दिशा में होता है जिससे व्यक्ति की अभिप्रेरणात्मक अवस्थाओं की संतुष्टि मिलती है।

Learning, as we measure it, is a relatively permanent change in behaviour as a function of practice. In most cases this change has a direction which satisfies the current motivating condition of the individual.

इन परिभाषाओं के संयुक्त विश्लेषण से सीखने के प्रक्रिया की निम्नांकित विशेषताये बतायी जा सकती हैं।

1. सीखने से व्यवहार में परिवर्तन होता है — जब कोई व्यक्ति English भाषा सीखता है और अपने अनुभव व विचार को English में अभिव्यक्त करे तो प्रत्यक्ष रूप में उसकी अभिव्यक्ति या व्यवहार में परिवर्तन आ जाता है।
2. व्यवहार का यह परिवर्तन कुछ समय तक स्थायी रूप में होता है — यदि छोटा बच्चा आग से हाथ को दूर रखना सीखता है, तो इसे वह तुरन्त भूल नहीं जाता है उसे महीनों तक याद रहता है। सीखी हुई बात चूंकि व्यक्ति को बहुत समय तक याद रहता है इसलिये भविष्य में उसका उपयोग कर वह अपने को समायोजित करता है।
3. यह परिवर्तन अचानक नहीं होता है, बल्कि व्यक्ति के अनुभव अथवा अभ्यास पर आधारित होता है — यदि कोई साइकिल चलाना या टाइपिंग सीखता है तो हम देखते हैं कि उसे काफी अभ्यास करना पड़ता है।
4. सीखने की क्रिया के पीछे कोई अभिप्रेरण काम करता है, कोई न कोई उद्देश्य रहता है — व्यक्ति किसी न किसी उद्देश्य को प्राप्त करने की कोशिश करता है, इसके लिये अपने व्यवहार में परिवर्तन लाता है। व्यवहार में परिवर्तन लाने से अपने उद्देश्य को ~~प्राप्त~~ प्राप्त कर संतुष्टि का अनुभव करता है।
5. सीखने से व्यवहार में होने वाला परिवर्तन मापा जा सकता है — प्रयोगशाला में कई तरह से प्रयोग करके मापा जा सकता है कि सीखने के क्रम में व्यवहार में किस तरह परिवर्तन होते हैं और व्यक्ति क्यों कोई कार्य करना सीख जाता है।

सीखने के सिद्धान्त

(Theories of Learning)

मनोविज्ञान के अन्तर्गत सीखना अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान रखता है। व्यक्ति क्या और कैसे सीखता है, इसके उत्तर में मनोवैज्ञानिकों ने कई विचार व्यक्त किये हैं। प्रत्येक सिद्धान्त एक ~~खास~~ खास ढंग से सीखने के स्वरूप और तरीके की व्याख्या करता है।

